



पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

रायपुर, शुक्रवार, 17 जनवरी 2025 | वर्ष - 66 | अंक - 272 | पृष्ठ - 12 | मूल्य - 4.00 रु प्रेस पंजीयन- 6072/59 डाक पंजीयन-सीजी/रायपुर संभाग/19/2021-23

किसानों को नजरअंदाज नहीं
किया जा सकता : धनराज

पृष्ठ 2

- बाजार में वर्षों हाहाकार है
- आप नेताओं के खिलाफ आदेश से भाजपा को राजनीतिक लाभ...

पृष्ठ 6

- भारत ने गजा युद्ध विश्व संघीयों का किया स्थागत
- लक्ष्मीपुर से लापता नाव में सवार लोगों को भारतीय टटरक्षक बल ने बचाया

पृष्ठ 7

- इल्यूपीएल : आरसीबी ने घोटाला सोनी
मालिनीका की जगह वाली टीम को चुना

पृष्ठ 8



आठवें वेतन आयोग को मिली मंजूरी

2026 से लागू होंगी आयोग की सिफारिशें, केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिए अहम निर्णय

नई दिल्ली, 16 जनवरी (एजेंसियां) केंद्रीय कर्मचारियों के लिए केंद्र सरकार ने गुरुवार को आठवें वेतन आयोग के गठन को मंजूरी दे दी है। आयोग की सिफारिशें 2026 से लागू होंगी। गुरुवार को केंद्रीय केंविनेट की बैठक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवास पर हुई और मोदी की अध्यक्षता में इस फैसले पर मंजूरी दी गई।

यह जानकारी कैविनेट बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने दी। उन्होंने कहा कि सातवें वेतन आयोग 2016 में लागू हुआ था, इसकी सिफारिशें 2026 तक जारी रहेंगी। 7वां वेतन आयोग (पे-कमीशन) 1 जनवरी, 2016 से लागू हुआ था। इससे केंद्रीय कर्मचारियों का न्यूनतम वेतन आयोग के गठन को केंद्र सरकार के सामने दी गई।

यह जानकारी कैविनेट बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने दी। उन्होंने कहा कि सातवें वेतन आयोग 2016 में लागू हुआ था, इसकी सिफारिशें 2026 तक जारी रहेंगी। 7वां वेतन आयोग (पे-कमीशन) 1 जनवरी, 2016 से लागू हुआ था।

इससे केंद्रीय कर्मचारियों का न्यूनतम वेतन आयोग के गठन को केंद्र सरकार के सामने दी गई।

यह जानकारी कैविनेट बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने दी। उन्होंने कहा कि सातवें वेतन आयोग 2016 में लागू हुआ था। इसकी सिफारिशें 2026 तक जारी रहेंगी। 7वां वेतन आयोग (पे-कमीशन) 1 जनवरी, 2016 से लागू हुआ था।

इससे केंद्रीय कर्मचारियों का न्यूनतम वेतन आयोग के गठन को केंद्र सरकार के सामने दी गई।



लंबे समय से हो रही थी मांग-पैदे केंद्रीय कर्मचारियों के संगठनों ने इसके लिए केंविनेट सचिव से मिलकर 8वें वेतन आयोग का गठन करने की मांग की थी। और लगातार ये संगठन सरकार के सामने 8वें

हर दस साल में आता है नया आयोग

अंतिम वेतन आयोग का गठन हुए। 10 साल से ज्यादा समय बीत चुका है। आम तौर पर हर 10 साल में अपले वेतन आयोग का गठन हो जाता है। पुराने वेतन आयोग की जीवन वर्ष पर नव वेतन आयोग की सिफारिशों के लागू होने के बीच भी मान्यता: 10 साल का अंतर होता है। ऐसे में अर्थवेतन आयोग का गठन जल्दी ही गया था। सातवें वेतन आयोग का गठन पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल में 28 फरवरी 2014 को किया गया था। सातवें वेतन आयोग ने अपनी सिफारिशें उसके करीब ढेढ़ साल बाद नवम्बर 2015 में केंद्र सरकार को सौंप दी थी। उसके बाद 1 जनवरी 2016 से 7वें वेतन आयोग की सिफारिशें लागू हो गईं, जो अभी तक लागू हैं।

जारी हो रही है कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार 1 जनवरी, 2026 से 8वें वेतन आयोग लागू कर देगी। इससे न्यूनतम वेतन और पैदेश में बढ़ा बदलाव आने की उमीद है। स्पेस रिसर्च को रफतार देने की दिशा में लिया बड़ा फैसला

अश्वनी वैष्णव ने केंद्रीय केंविनेट के फैसलों के बारे में बताया है। चूंकि हर 10 साल में वेतन आयोग लागू करने के लिए हमारे पास पर्याप्त समय है। देश में 7वां वेतन आयोग 1 जनवरी, 2016 से लागू हुआ था। इससे लगभग 1 करोड़ लोगों को लाभ पहुंचा था। चूंकि हर 10 साल में वेतन आयोग लागू होने के लिए हमारे पास पर्याप्त समय है। इस बाबत का गठन करने के लिए एक बाबत देने की जिम्मी ने अपने बताया है। उन्होंने बताया कि तीसरा लॉन्च पैड को → शेष पृष्ठ 7 पर ↳

मुठभेड़ में 17 नक्सली मारे गए, 1 जवान भी घायल

पुजारीकांकर मारुडबाका के जंगलों में पुलिस नक्सली मुठभेड़

बीजापुर, 16 जनवरी (देशबन्धु) वेतन आयोग का गठन हुए। 10 साल से ज्यादा समय बीत चुका है। आम तौर पर हर 10 साल में अपले वेतन आयोग का गठन हो जाता है।

पुराने वेतन आयोग की जीवन वर्ष पर नव वेतन आयोग की सिफारिशों के लागू होने के बीच भी मान्यता: 10 साल का अंतर होता है। ऐसे में अर्थवेतन आयोग का गठन जल्दी ही गया था। सातवें वेतन आयोग का गठन पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल में 28 फरवरी 2014 को किया गया था। सातवें वेतन आयोग ने अपनी सिफारिशें उसके करीब ढेढ़ साल बाद नवम्बर 2015 में केंद्र सरकार को सौंप दी थी। उसके बाद 1 जनवरी 2016 से 7वें वेतन आयोग की सिफारिशें लागू हो गईं, जो अभी तक लागू हैं।

बीजापुर, 16 जनवरी (देशबन्धु) वेतन आयोग का गठन हुए। 10 साल से ज्यादा समय बीत चुका है। आम तौर पर हर 10 साल में अपले वेतन आयोग की सिफारिशों के लागू होने के बीच भी मान्यता: 10 साल का अंतर होता है। ऐसे में अर्थवेतन आयोग का गठन जल्दी ही गया था। सातवें वेतन आयोग का गठन पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल में 28 फरवरी 2014 को किया गया था। सातवें वेतन आयोग ने अपनी सिफारिशें उसके करीब ढेढ़ साल बाद नवम्बर 2015 में केंद्र सरकार को सौंप दी थी। उसके बाद 1 जनवरी 2016 से 7वें वेतन आयोग की सिफारिशें लागू हो गईं, जो अभी तक लागू हैं।

बीजापुर, 16 जनवरी (देशबन्धु) वेतन आयोग का गठन हुए। 10 साल से ज्यादा समय बीत चुका है। आम तौर पर हर 10 साल में अपले वेतन आयोग की सिफारिशों के लागू होने के बीच भी मान्यता: 10 साल का अंतर होता है। ऐसे में अर्थवेतन आयोग का गठन जल्दी ही गया था। सातवें वेतन आयोग का गठन पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल में 28 फरवरी 2014 को किया गया था। सातवें वेतन आयोग ने अपनी सिफारिशें उसके करीब ढेढ़ साल बाद नवम्बर 2015 में केंद्र सरकार को सौंप दी थी। उसके बाद 1 जनवरी 2016 से 7वें वेतन आयोग की सिफारिशें लागू हो गईं, जो अभी तक लागू हैं।

बीजापुर, 16 जनवरी (देशबन्धु) वेतन आयोग का गठन हुए। 10 साल से ज्यादा समय बीत चुका है। आम तौर पर हर 10 साल में अपले वेतन आयोग की सिफारिशों के लागू होने के बीच भी मान्यता: 10 साल का अंतर होता है। ऐसे में अर्थवेतन आयोग का गठन जल्दी ही गया था। सातवें वेतन आयोग का गठन पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल में 28 फरवरी 2014 को किया गया था। सातवें वेतन आयोग ने अपनी सिफारिशें उसके करीब ढेढ़ साल बाद नवम्बर 2015 में केंद्र सरकार को सौंप दी थी। उसके बाद 1 जनवरी 2016 से 7वें वेतन आयोग की सिफारिशें लागू हो गईं, जो अभी तक लागू हैं।

बीजापुर, 16 जनवरी (देशबन्धु) वेतन आयोग का गठन हुए। 10 साल से ज्यादा समय बीत चुका है। आम तौर पर हर 10 साल में अपले वेतन आयोग की सिफारिशों के लागू होने के बीच भी मान्यता: 10 साल का अंतर होता है। ऐसे में अर्थवेतन आयोग का गठन जल्दी ही गया था। सातवें वेतन आयोग का गठन पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल में 28 फरवरी 2014 को किया गया था। सातवें वेतन आयोग ने अपनी सिफारिशें उसके करीब ढेढ़ साल बाद नवम्बर 2015 में केंद्र सरकार को सौंप दी थी। उसके बाद 1 जनवरी 2016 से 7वें वेतन आयोग की सिफारिशें लागू हो गईं, जो अभी तक लागू हैं।

बीजापुर, 16 जनवरी (देशबन्धु) वेतन आयोग का गठन हुए। 10 साल से ज्यादा समय बीत चुका है। आम तौर पर हर 10 साल में अपले वेतन आयोग की सिफारिशों के लागू होने के बीच भी मान्यता: 10 साल का अंतर होता है। ऐसे में अर्थवेतन आयोग का गठन जल्दी ही गया था। सातवें वेतन आयोग का गठन पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल में 28 फरवरी 2014 को किया गया था। सातवें वेतन आयोग ने अपनी सिफारिशें उसके करीब ढेढ़ साल बाद नवम्बर 2015 में केंद्र सरकार को सौंप दी थी। उसके बाद 1 जनवरी 2016 से 7वें वेतन आयोग की सिफारिशें लागू हो गईं, जो अभी तक लागू हैं।

बीजापुर, 16 जनवरी (देशबन्धु) वेतन आयोग का गठन हुए। 10 साल से ज्यादा समय बीत चुका है। आम तौर पर हर 10 साल में अपले वेतन आयोग की सिफारिशों के लागू होने के बीच भी मान्यता: 10 साल का अंतर होता है। ऐसे में अर्थवेतन आयोग का गठन जल्दी ही गया था। सातवें वेतन आयोग का गठन पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल में 28 फरवरी 2014 को किया गया था। सातवें

मोदी सरकार युवाओं के साथ अत्याचार कर संविधान पर हमला कर रही है इसलिए देश के युवाओं को 18 जनवरी को पटना में होने वाले संविधान सुरक्षा सम्मेलन से जुड़ा चाहिए। पेपर लीक, अग्निवीर, रोजगार घोटाले, आक्रमण से खिलवाड़, युवाओं पर अत्याचार, ये सब भारत के भविष्य के साथ हमारे संविधान पर आक्रमण हैं। हम देश के युवाओं का हक्क छिन ने



किसानों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता : धनखड़

धनखड़ कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के अनृत महोत्सव और पूर्व छात्र निलन समारोह के उद्घाटन समारोह के लिए आयोग की बातों की चिंताओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।



नई दिल्ली, 16 जनवरी (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने किसानों की समस्याओं का समाधान खोजने का आह्वान करते हुए गुरुवार को कहा कि अन्दराताओं की चिंताओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। श्री धनखड़ ने कर्मांक के धरावाड़ में कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय के अनृत महोत्सव और पूर्व छात्र मिलन समारोह के उद्घाटन समारोह में कहा कि राष्ट्रीय विद्यालय के समस्याओं की बातों की बात आती है तो समय की बहुत आवश्यकता होती है : **जगदीप धनखड़, उपराष्ट्रपति**

किसानों की समस्या पर तकाल राष्ट्रीय व्यायाम देने की आवश्यकता है। किसानों को आर्थिक सुरक्षा की आवश्यकता है। 'जब किसानों की समस्या को समाधान खोजने की बात आती है तो समय की बहुत आवश्यकता होती है।' जब किसानों की समस्याओं की बात आती है तो समय की बहुत आवश्यकता होती है। देश निरंतर प्रगति के पथ पर है और इसमें किसानों को पीछे नहीं छोड़ा जा सकता। श्री धनखड़ ने कहा कि किसानों की समस्या पर तकाल राष्ट्रीय व्यायाम देने की आवश्यकता है। किसानों को आर्थिक सुरक्षा की

आर्थिक रूप से ठीक होता है, तो अर्थव्यवस्था चलती है, क्योंकि वह किसान की खर्च करने की शक्ति है। जब किसान खर्च करता है, तो अर्थव्यवस्था अपने आप चलती है। खराब योग्यता और अप्रत्याशित बाजार स्थितियों जैसे प्राथमिक तनावों से किसानों को राहत देने की आवश्यकता पर उड़ने कहा कि कृषि क्षेत्र को प्राथमिक तनावों से विश्लेषण और राहत देने का समय आ गया है। सरकार बहुत कुछ कर रही है, लेकिन किसान साधारण योग्यता, अप्रत्याशित बाजार स्थितियों पर निर्भर है। कृषि क्षेत्र की सभी प्रकार की सविक्षियों के सीधे हास्तांतरण की वकालत करते हुए श्री धनखड़ ने कहा कि कृषि क्षेत्र को किसी भी रूप में दो जाने वालों कोई भी सम्बिल्दी, चाहे वह उत्तरक हो या अन्य, सीधे किसान तक पहुंचनी चाहिए।

कृषि क्षेत्र की आर्थिक सुरक्षा की बात आती है तो समय की बहुत आवश्यकता होती है। जब किसान समाधान खोजने की बात आती है तो समय की बहुत आवश्यकता होती है। जब किसान समाधान खोजने की बात आती है तो समय की बहुत आवश्यकता होती है। जब किसान समाधान खोजने की बात आती है तो समय की बहुत आवश्यकता होती है। जब किसान समाधान खोजने की बात आती है तो समय की बहुत आवश्यकता होती है।

अनेकान्तवाद का प्राचीन सिद्धांत मौजूदा जटिल विश्व में वैशिक कूटनीति के लिए एक रूपरेखा : धनखड़

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा है कि भारतीय दर्शन परंपरा का 'अनेकान्तवाद' का प्राचीन सिद्धांत मौजूदा जटिल विश्व में वैशिक कूटनीति के लिये एक रूपरेखा प्रदान करता है। श्री धनखड़ ने गुरुवार को कर्मांक के धरावाड़ में 'सुमेरु पर्वत संरचना' का उद्घाटन करते हुये कहा कि 'भारत' एक ऐसी भूमि है जहाँ शाश्वत ज्ञान प्रकाशित होता है और और दृष्टिकोणों का भारत का प्राचीन सिद्धांत, आज की जटिल दुनिया में वैशिक कूटनीति के लिए एक रूपरेखा देता है। अनेकान्तवाद में अभिव्यक्ति और सावाद की भावना समाहित है। मानवता की अधिकांश समस्याओं इसलिए उत्पन्न होती हैं और सावाद नकारात्मक होता है। उल्लेख कहा कि तीन रूप, 'अहिंसा', 'अपरिहग्न' और 'अनेकान्तवाद', केवल शब्द नहीं हैं। ये जीवन के तरीकों के परिभाषित करते हैं। ये गहर पर अस्तित्व के लिये

राज संक्षेप

राजनाथ ने ब्रिटेन के रक्षा मंत्री जॉन हिली से टेलीफोन पर बात की

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को ब्रिटेन के रक्षा मंत्री जॉन हिली की साथ टेलीफोन पर बातचीत की। रक्षा मंत्रालय के अनुसार दोनों मत्रियों ने रक्षा सहोरों के मुद्रियों पर संक्षेप में चर्चा की और द्विपक्षीय संबंधों में गति बनाए रखने की आवश्यकता है। उल्लेख इलेक्ट्रिक प्रोपलॉन से संबंधित आशय वक्तव्य पर राह हालीं में हस्ताक्षर किए जाएं पर संतोष व्यक्त किया।

राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति बदलते : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के विरुद्ध की साथ जॉन हिली की साथ टेलीफोन पर बातचीत की। रक्षा मंत्रालय के अनुसार दोनों मत्रियों ने रक्षा सहोरों के मुद्रियों पर संक्षेप में चर्चा की और द्विपक्षीय संबंधों में गति बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। रक्षा मंत्रियों ने इलेक्ट्रिक प्रोपलॉन और जेट इंजन जैसी विशेष रक्षा प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में दोनों दोनों के बीच उचित प्रगति के समीक्षा की। उल्लेख इलेक्ट्रिक प्रोपलॉन से संबंधित आशय वक्तव्य पर राह हालीं में हस्ताक्षर किए जाएं पर संतोष व्यक्त किया।

राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति बदलते : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के विरुद्ध की साथ जॉन हिली की साथ टेलीफोन पर बातचीत की। रक्षा मंत्रालय के अनुसार दोनों मत्रियों ने रक्षा सहोरों के मुद्रियों पर संक्षेप में चर्चा की और द्विपक्षीय संबंधों में गति बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। रक्षा मंत्रियों ने इलेक्ट्रिक प्रोपलॉन और जेट इंजन जैसी विशेष रक्षा प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में दोनों दोनों के बीच उचित प्रगति के समीक्षा की। उल्लेख इलेक्ट्रिक प्रोपलॉन से संबंधित आशय वक्तव्य पर राह हालीं में हस्ताक्षर किए जाएं पर संतोष व्यक्त किया।

राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति बदलते : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के विरुद्ध की साथ जॉन हिली की साथ टेलीफोन पर बातचीत की। रक्षा मंत्रालय के अनुसार दोनों मत्रियों ने रक्षा सहोरों के मुद्रियों पर संक्षेप में चर्चा की और द्विपक्षीय संबंधों में गति बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। रक्षा मंत्रियों ने इलेक्ट्रिक प्रोपलॉन और जेट इंजन जैसी विशेष रक्षा प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में दोनों दोनों के बीच उचित प्रगति के समीक्षा की। उल्लेख इलेक्ट्रिक प्रोपलॉन से संबंधित आशय वक्तव्य पर राह हालीं में हस्ताक्षर किए जाएं पर संतोष व्यक्त किया।

अयोध्या के बहाने विशेष वर्ग को खुश करना चाहते हैं

अयिलेश यादव : आनंद दुबे

लखनऊ। भाजपा प्रवक्ता आनंद दुबे ने गुरुवार को यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अयिलेश यादव के अयोध्या मादिर पर दिए बयान को लेकर निशाना साधा।

भाजपा जगजहर है कि अयोध्या से अयिलेश यादव के अवारद करते हैं। वह चाहते हैं कि अयोध्या में राम मंदिर के बारे में जागरूक किया जाए।

अयिलेश यादव के अवारद करते हैं। वह चाहते हैं कि अयोध्या में राम मंदिर पर दिए बयान को लेकर निशाना साधा।

अयिलेश यादव के अवारद करते हैं। वह चाहते हैं कि अयोध्या में राम मंदिर के बारे में जागरूक किया जाए।

अयिलेश यादव के अवारद करते हैं। वह चाहते हैं कि अयोध्या में राम मंदिर के बारे में जागरूक किया जाए।

अयिलेश यादव के अवारद करते हैं। वह चाहते हैं कि अयोध्या में राम मंदिर के बारे में जागरूक किया जाए।

अयिलेश यादव के अवारद करते हैं। वह चाहते हैं कि अयोध्या में राम मंदिर के बारे में जागरूक किया जाए।

अयिलेश यादव के अवारद करते हैं। वह चाहते हैं कि अयोध्या में राम मंदिर के बारे में जागरूक किया जाए।

अयिलेश यादव के अवारद करते हैं। वह चाहते हैं कि अयोध्या में राम मंदिर के बारे में जागरूक किया जाए।

अयिलेश यादव के अवारद करते हैं। वह चाहते हैं कि अयोध्या में राम मंदिर के बारे में जागरूक किया जाए।

अयिलेश यादव के अवारद करते हैं। वह चाहते हैं कि अयोध्या में राम मंदिर के बारे में जागरूक किया जाए।

अयिलेश यादव के अवारद करते हैं। वह चाहते हैं कि अयोध्या में राम मंदिर के बारे में जागरूक किया जाए।

अयिलेश यादव के अवारद करते हैं। वह चाहते हैं कि अयोध्या में राम मंदिर के बारे में जागरूक किया जाए।

अयिलेश यादव के अवारद करते हैं। वह चाहते हैं कि अयोध्या में राम मंदिर के बारे में जागरूक किया जाए।

अयिलेश यादव के अवारद करते हैं। वह चाहते हैं कि अयोध्या में राम मंदिर के बारे में जागरूक किया जाए।

अर्थ जगत

फिकड़ी ने आर्थिक विकास अनुमान घटाया

नई दिल्ली, 16 जनवरी (एजेंसियां)। बाधिय एवं उद्योग संगठन फिकड़ी ने चालू वित्त वर्ष में देश का आर्थिक विकास अनुमान पूर्व के सात प्रतिशत से घटाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया है।

फिकड़ी के आर्थिक अटलटुक सर्वेक्षण के गुरुवार को जारी नवीनतम अंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत की वार्षिक औसत सकल घेरेलू उत्पाद

(जीडीपी) वृद्धि दर 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो सिरंगत 2024 में सात प्रतिशत के अनुमान की तुलना में कम है। फिकड़ी वित्त वर्ष 2023-24 में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी, जिससे खाली हाथ स्पष्ट हो गई है कि चालू वित्त वर्ष में अर्थव्यवस्था में धीमापन आ सकत है। सर्वेक्षण के अनुसार, चालू वित्त वर्ष में कृषि क्षेत्र (सर्वेक्षण गतिविधियों सहित) में 3.6 प्रतिशत की दर से बढ़ेगा जबकि उद्योग और सेवा क्षेत्रों की वृद्धि दर क्रमशः 2.4 और 2.3 प्रतिशत रहने की संभावना है। तोहारी और वार्षिक अंकड़ों के अनुसार, सर्वेक्षण के पूंजी व्यवस्था में सुधार और मानसन के बाद औद्योगिक गतिविधियों में तेजी से आर्थिक गतिविधियों को बल मिलने की उम्मीद है। फिकड़ी ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए उपभोक्ता भूल्य सूचकांक (सोपीआई) आधारित खुदारा महानी दर 4.8 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है, जो दिसंबर 2024 में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्वानुमान के अनुरूप है।



■ गृह वित्त वर्ष में अर्थव्यवस्था में आ सकता है धीमापन
■ 2024-25 के लिए भारत की वार्षिक औसत जीडीपी वृद्धि दर 6.4 प्रतिशत इनका अनुमान

वैश्वक व्यापार और विकास को प्रभावित कर सकते हैं। साथ ही, मध्य-पूर्व में जारी संघर्ष से ऊर्जा बाजारों पर असर पड़ने की संभावना है। सर्वेक्षण में वर्ष 2025 के लिए भारत का आर्थिक दृष्टिकोण सर्वकार आशावाद के साथ पेश किया गया है।

महाकुम्भ में छग की उपस्थिति

सोमवार को उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में निवेदी संगम पर प्रारम्भ हुआ महाकुम्भ बड़ी संख्या में लोगों को आकर्षित कर रहा है। देश-विदेश से बड़ी तादाद में वहाँ लोग पहुंच रहे हैं। छत्तीसगढ़ से भी कई लोग वहाँ जा रहे हैं। महाकुम्भ में सतत विकसित होता यह राज्य दो तरीकों से अपनी उपस्थिति दर्शा रहा है। पहला है वहाँ लगी छग सरकार की प्रदर्शनी जो बरबस वहाँ जनता को खोंच रही है। जबसे महाकुम्भ प्रारम्भ हुआ है, हर रोज वहाँ लोग आ रहे हैं। इसमें इस अंचल के इतिहास, यहाँ की कला-संस्कृति, पर्यटन स्थल, उद्योग-व्यवसाय, शहरी विकास आदि का सचित्र वर्णन किया गया है। इसके अलावा यहाँ से जाने वालों को रहने, नासे एवं खाने की भी सुविधा राज्य सरकार की ओर से की गयी है।

जब सारी दुनिया से इतनी बड़ी संख्या में लोग आ रहे हैं तो जाहिर है कि रहने आदि की समस्या होगी है। विशेषकर, ठंड का मौसम है और उत्तर भारत में पड़ने वाली कड़के की ठंड से बचना ज़रूरी है। छग से जाने वाले श्रद्धालुओं को चाहिए कि इस सुविधा का वे लाभ उठायें कि वे आराम से वहाँ रह सकें और महाकुम्भ का लाभ उठा सकें। सरकार की ओर से जानकारी दी गयी है कि छत्तीसगढ़ वेलेलियन मेला क्षेत्र के सेक्टर-6 में बघाडा मेला के पास लगाया गया है। यहाँ तक पहुंचने के लिये लक्ष्मी द्वारा से प्रवेश करना होगा तथा प्रयागराज रेलवे स्टेशन इसके नज़दीक पड़ता है। जो लोग हवाई मार्ग से जायेंगे वे इलाहाबाद विश्वविद्यालय होते हुए यमुना ब्रिज पार कर रहा यहाँ पहुंच सकते हैं।

जहाँ तक प्रदर्शनी की बात है, तो कहा जा सकता है कि अत्यन्त अवधि में जितनी बड़ी संख्या में लोग यहाँ आ रहे हैं, प्रदेश के बारे में विभिन्न जानकारियाँ उन तक पहुंचने का यह नायाब अवसर है। अपनी स्थापना के लगभग 25 वर्ष पूर्ण कर रहा छत्तीसगढ़ अब भी या तो लोगों के लिये अनजान है अथवा उसके बारे में जनसामान्य को पूरी जानकारी नहीं है। प्रदेश को माओवाद के लिये जाना जाता है परन्तु बहुत कम लोग जानते हैं कि अब यह हिंसा आधारित विचारधारा खात्मे की ओर है। यह राज्य कलासंस्कृति के प्रमियों व शोधकर्ताओं को नये अनुभव देता है तथा पर्यटन के अनेक आकर्षक केन्द्र यहाँ हैं।

इसके अलावा हाल के वर्षों में यह प्रदेश निवेदकों की पहली पसंद बन चुका है। यहाँ विभिन्न तरह के व्यवसायों एवं सेवा सेक्टर ने अच्छी ग्रोथ की है। अनेक शिक्षण तथा स्वास्थ्य संस्थान यहाँ हाल के वर्षों में खुले हैं और बहुत अच्छे कार्य कर रहे हैं। विभिन्न योगों के विकास के लिये भी यहाँ असीमित ऊंचाइयाँ हैं। चिकित्सकों, शिक्षाविदों, वास्तुविदों, बिल्डरों-डेवलपरों के लिये छग अच्छे अवसर प्रदान करता है। यह प्रदर्शनी करोड़ों लोगों को इन सब तथ्यों से अवगत करायेगी।

तेरा मेरा छोड़कर जिताऊ उम्मीदवार को टिकट वितरण पार्टी की प्राथमिकता : संतोष पांडे

राजनांदगांव, 16 जनवरी (देशबन्धु)। भारतीय जनता पार्टी द्वारा नगरीय निकाय एवं प्रिस्तरीय पंचायत की तैयारी को लेकर एक बैठक आयोजन जिला भाजपा कार्यालय में किया गया जिसमें संगठन प्रभारी अवधेश चंदेल एवं लाखचंद बाफना तथा सांसद संतोष पांडे एवं पूर्व सांसद अधिषेक सिंह का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। इस अवसर पर प्रमुख रुख से प्रेसेस चुनाव प्रभारी खूबचंद पारख भी उपस्थित थे।

सर्वप्रथम बैठक का विधिवत शुभारंभ भरत माता एवं पंडित शशांक प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया गया। तत्पश्चात नवनियुक्त जिला अध्यक्ष को मूल सिंह राजपूत ने अपने उद्घोषन में आगामी नगरीय निकाय चुनाव एवं विस्तरीय पंचायत चुनाव में सभी को मिलजुल कर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का आवाहन किया तथा सभी 16 मंडल अध्यक्षों का स्वागत एवं अभिनन्दन किया गया।

बैठक में सांसद संतोष पांडे ने कहा कि सभी को सम्बन्धीय कार्यक्रम के लिए उत्साह का संचार करते हुए कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार करते हुए कहा कि पार्टी के निष्ठावान कार्यकर्ताओं ने विधानसभा एवं लोकसभा चुनाव जीतने में अपना पसीना बहाया है, अब इन छोटे कार्यकर्ताओं को नेता बनाने एवं निचले स्तर तक पार्टी की योजनाओं को पहुंचाने का अवसर यह चुनाव है। इस चुनाव में योग्य एवं सही कार्यकर्ता का चुनाव कर टिकट वितरण



भाजपा के संगठन चुनाव के सम्बन्ध दांग से संपर्क हुए हैं, जो संगठन की विशेषता है।

पूर्व सांसद अधिषेक सिंह ने भी कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार करते हुए कहा कि पार्टी के निष्ठावान कार्यकर्ताओं ने विधानसभा एवं लोकसभा चुनाव जीतने में अपना पसीना बहाया है, अब इन छोटे कार्यकर्ताओं को नेता बनाने एवं निचले स्तर तक पार्टी की योजनाओं को पहुंचाने का अवसर यह चुनाव है। इस चुनाव में योग्य एवं सही कार्यकर्ता का चुनाव कर टिकट वितरण

■ सर्वानुमति के सामंजस्य से उम्मीदवार का चयन करें : अधिषेक सिंह

से पार्टी का जनाधार निश्चित रूप से बढ़ेगा। सभी की सामूहिक जवाबदारी है कि हम एकजुट होकर पूरी ताकत के साथ चुनाव लड़ें। संगठन प्रभारी अवधेश चंदेल ने भी नगर

निगम चुनाव एवं पंचायत चुनाव के संबंध में बूथ स्थर पर जीत के मंत्र दिए और कहा कि पिछले 5 वर्षों में काग्रेस की भूमिका सरकार का भय एवं आतंक का माहौल था, जिसके

जिला अध्यक्ष के कर्त्तव्यात जारीने जगा जाहिर थे, अब वर्तमान में विष्णु देव साय का सुशासन चल रहा है जिसके तहत 70 लाख बहुगों को महत्वारी बंदर योजना का लाभ दिया जा रहा है और छत्तीसगढ़ सरकार ने किसानों को 2 वर्ष का बोनस भविया साथ ही एक मुफ्त 3100 में धन खरीदी की व्यवस्था भी की जा रही है। अवधेश चंदेल ने कहा कि सभी को अनुभव के साथ

मेहनत और विश्वसनीयता के साथ जनता का विश्वास हासिल करना है और मतदाता सूची का अवलोकन जरूर करें तथा सूचीबद्ध मतदाताओं से संपर्क रखें और उनके उपरांग विश्वास हासिल करें। विशेष रूप से पथरे लाखचंद बाफना ने कहा कि 15 वर्षों तक डॉ स्नन सिंह ने प्रदेश के विकास की ओर चालायी तक पहुंचा उनके कार्यकाल को जनता को जरूर बताएं और 5 वर्षों तक भूपेश सरकार ने छत्तीसगढ़ के युवाओं को महादेव एवं और शराब के ब्राह्मणाचार में डुबो दिया और विगत एक वर्षों

मितानिन दीदीयों का वेतन खा रही भाजपा सरकार: कुलबीर

राजनांदगांव, 16 जनवरी (देशबन्धु)। शहर जिला काग्रेस अध्यक्ष कुलबीर सिंह छावडा ने बयान जारी करते हुए कहा कि चुनाव के पूर्व प्रदेश की जनता से भाजपा लोकलुभावने वायदे कर सत्ता में आयी और अपना रंग दिखाना शुरू कर दिया। मितानिन कार्यक्रम की सभी मितानिन, मितानिन प्रशिक्षक, बॉक्स समन्वयक, स्वास्थ्य पंचायत समन्वयक, हैल्थ डेस्क फेसिलिटेटर की प्रत्याहारण गशि व क्षतिपूर्ति विगत तीन माह की राशि नहीं मिलने से पूरे छत्तीसगढ़ की मितानिन दीदीयों नाराज व परेशान हैं जिसके कारण वे सरकार से कफी नाराखा हो गयी है। इसी तरह प्रदेश के लाखों किसानों के साथ विष्णुदेव साय सरकार धोखाखाजी कर रही है। किसानों को 21 चिंटल प्रति एकड़ की दर से धन खरीदी कहीं पर नहीं हो रही है। टोकन, बारदाना से लेकर तीलाई में गड़बड़ी की शिकायत पूरे प्रदेश में है। 3100 रुपए प्रति चिंटल की दर से एकमुश्त भुगतान कर किसानों

■ विष्णुदेव के सुशासन में मितानिनों दीदीयों वेतन के लिए जोह रहे बांट

साफ देखी जा रही है। और आने वाले समय में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव और नगरीय निकाय चुनावों की शुरूआत होने वाली है ऐसे में शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों की जनता कड़ा कही साथ ही सभी अधिकारियों से निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने की बात कही जाएगी।

सरकार से छहांत्रों नाराजगी कर रही है। किसानों को 21 चिंटल प्रति एकड़ की दर से धन खरीदी कहीं पर नहीं हो रही है। टोकन, बारदाना से लेकर तीलाई में गड़बड़ी की शिकायत पूरे प्रदेश में है। 3100 रुपए प्रति चिंटल की दर से एकमुश्त भुगतान कर किसानों

किसी को नहीं मिल रहा है। प्रत्येक ग्राम पंचायत में धन खरीदी का नाम भुगतान केन्द्र खोलने का बाद भी जुमला निकला। पिछले खरीफ सीजन के राजीव गांधी किसान न्याय योजना की चौथी किश्त हड्डप लिया। भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना बंद कर दिया गया। शहीद महोर कर्म तेंपूता संग्राहक बीमा योजना दुर्भवानारूपक बंद कर दिया गया। इसी तरह खिलोंकों के साथ छल किया जा रहा है। पुलिस भर्ती में जमरक फर्जीवाड़ा किया जिसके कारण एक जवान को अपनी जान गवाने पड़ी और

पुलिस भर्ती को निरस्त करना पड़ा कुल मिलाकर युवाओं को भी देखा रखा रहा। इसे छलने से नहीं चुके। छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार से छहांत्रों नाराजगी कर रही है। किसानों को 21 चिंटल प्रति एकड़ की दर से धन खरीदी कहीं पर नहीं हो रही है। टोकन, बारदाना से लेकर तीलाई में गड़बड़ी की शिकायत पूरे प्रदेश में है। 3100 रुपए प्रति चिंटल की दर से एकमुश्त भुगतान कर किसानों

साफ देखी जा रही है। और आने वाले समय में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव और नगरीय निकाय चुनावों की शुरूआत होने वाली है ऐसे में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव और नगरीय निकाय चुनावों की शुरूआत होने वाली है। असी तरह अधिकारियों से निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने की बात कही साथ ही सभी अधिकारियों की कार्यकारियों को विश्वास दिया गया। इसी तरह अधिकारियों से निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने की बात कही जाएगी।

पिछले चारों वर्षों में धन खरीदी की उपस्थिति एवं यातायात नियमों सहित अन्य निर्देशों का कड़ाई से

उद्देश्य दिया गया। बैठक में 15 साल पुराने साथांक में धन खरीदी की उपस्थिति एवं यातायात नियमों का कड़ाई से

उद्देश्य दिया गया। इसी तरह अधिकारियों से निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने की बात कही जाएगी।

पिछले चारों वर्षों में धन खरीदी की उपस्थिति एवं यातायात नियमों सहित अन्य निर्देशों का कड़ाई से

उद्देश्य दिया गया। इसी तरह अधिकारियों से निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने की बात कही जाएगी।

पिछले चारों वर्षों में धन खरीदी की उपस्थिति एवं यातायात नियमों सहित अन्य निर्देशों का कड़ाई से

उद्देश्य दिया गया। इसी तरह अधिकारियों से निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने की बात कही जाएगी।

पिछले चारों वर्षों में धन खरीदी की उपस्थिति एवं यातायात नियमों सहित अन्य निर्देशों का कड़ाई से

उद्देश्य दिया गया। इसी तरह अधिकारियों से निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने की बात कही जाएगी।

पिछले चारों वर्षों में धन खरीदी की उपस्थिति एवं यातायात नियमों सहित अन्य निर्देशों का कड़ाई से

उद्देश्य दिया गया। इसी तरह अधिकारियों से निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने की बात कही जाएगी।

पिछले चारों वर्षों में धन खरीदी की उपस्थिति एवं यातायात नियमों सहित अन्य निर्देशों का कड़ाई से

उद्देश्य दिया गया। इसी तरह अधिकारियों से निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने की बात कही जाएगी।

पिछले चारों वर्षों में धन खरीदी की उपस्थिति एवं यातायात नियमों सहित अन्य निर्देशों का कड़ाई से

उद्देश्य दिया गया। इसी तरह अधिकारियों से निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने की बात कही जाएगी।

पिछले चारों वर्षों में धन खरीदी की उपस्थिति एवं यातायात नियमों सहित अन्य निर्देशों का कड़ाई से

उद्देश्य दिया गया। इसी तरह अधिकारियों से निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने की ब

महाकुम्भ में छग की उपस्थिति

सोमवार को उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में विवेणी संगम पर प्रारम्भ हुआ महाकुम्भ बड़ी संख्या में लोगों को आकर्षित कर रहा है। देश-विदेश से बड़ी तादाद में वहाँ लोग पहुंच रहे हैं। छत्तीसगढ़ से भी कई लोग वहाँ जा रहे हैं। महाकुम्भ में सतत विकसित होता यह राज्य दो तरीकों से अपनी उपस्थिति दर्शा रहा है। पहला है वहाँ लगी छग सरकार की प्रदर्शनी जो बरबस वहाँ जनता को खांच रही है। जबसे महाकुम्भ प्रारम्भ हुआ है, हर रोज वहाँ लोग आ रहे हैं। इसमें इस अंचल के इतिहास, यहाँ की कला-संस्कृति, पर्यटन स्थल, डगों-व्यवसाय, शहरी विकास आदि का सचित्र वर्णन किया गया है। इसके अलावा यहाँ से जाने वालों को रहने, नाशे एवं खाने की भी सुविधा राज्य सरकार की ओर से की गयी है।

जब सारी दुनिया से इतनी बड़ी संख्या में लोग आ रहे हैं तो जारी है कि रहने आदि की समस्या होगी ही। विशेषकर, ठंड का मौसम है और उत्तर भारत में पड़ने वाली कड़कों की ठंड से बचाना ज़रूरी है। छग से जाने वाले अद्वातुओं को चाहिए कि इस सुविधा का वे लाभ उठायें जो आम से वहाँ रह सकें और महाकुम्भ का लाभ उठा सकें। सरकार की ओर से जाने वाली दो गयी है कि छत्तीसगढ़ पेवेलियन मेला क्षेत्र के सेक्टर-6 में बघाड़ा मेला के पास लगाया गया है। यहाँ तक पहुंचने के लिये लक्ष्मी द्वारा से प्रवेश करना होगा तथा प्रयाग रेलवे स्टेशन इसके नज़दीक पड़ता है। जो लोग हवाई मार्ग से जायेंगे वे इलाहाबाद विश्वविद्यालय होते हुए यमुना ब्रिज पार कर यहाँ पहुंच सकते हैं।

जहाँ तक प्रदर्शनी की बात है, तो कहा जा सकता है कि अन्य अवधि में जितनी बड़ी संख्या में लोग यहाँ आ रहे हैं, प्रदेश के बारे में विभिन्न जानकारियों उन तक पहुंचने का यह नायाब अवसर है। अपनी स्थापना के लगभग 25 वर्ष पूर्ण कर रहा है छत्तीसगढ़ अब भी या तो लोगों के लिये अनजान है अथवा उसके बारे में जनसामान्य को पूरी जानकारी नहीं है। प्रदेश को माओवाला के लिये जाना जाता है परन्तु बहुत कम लोग जानते हैं कि अब यह हिंसा आधारित विचारधारा खात्मे की ओर है। यह राज्य कला-संस्कृति के प्रेमियों व शोधकर्ताओं को नये अनुभव देता है तथा पर्यटन के अनेक आकर्षक केन्द्र यहाँ हैं।

इसके अलावा हाल के वर्षों में यह प्रदेश निवेशकों की घटली पसंद बन चुका है। यहाँ विभिन्न तरह के व्यवसायों एवं सेवा सेक्टर ने अच्छी ग्रोथ की है। अनेक शिक्षण तथा सांस्कृति संस्थान यहाँ वहाँ के वर्षों में खुले हैं और बहुत अच्छा कार्य कर रहे हैं। विभिन्न पेटों के विकास के, शिक्षाविदों, वास्तुविदों, बिल्डर्स-डेवलपरों के लिये छग अच्छे अवसर प्रदान करता है। यह प्रदर्शनी करोंगे लोगों को इन सब तथ्यों से अवगत करायेगी।



मेश ने शैक्ष-शैक्ष में ब्रह्म रथ लिया।
मेश (पल्ली से) - देखो सूरज झूला चुका है, अब याना आते हैं।
पल्ली (रमेश से) - नहीं जी।
रमेश-देखो झूला या नहीं।
पल्ली-नहीं जी।
रमेश-लगता है ये मुझे साथ लेकर ही झूलेगा।

प्रादेशिकी

महाराष्ट्र-धमतरी-बलौदाबाजार-वागबाहर-पिशौरा-गरियाबंद-राजिम

तेलंगाना में बंधक 4 श्रमिकों को जिला पुलिस ने छुड़ाया

बलौदाबाजार, 16 जनवरी (देशबन्धु)। तेलंगाना में इंटर भट्टा में बंधक का बनाकर रखे गये चार मजदूरों एवं उनके तीन बच्चों को पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष सिमाना में रहता है। डॉ. सनम जांगडेज की सूचना पर पुलिस अधीक्षक बलौदाबाजार के नेतृत्व पर पुलिस ने छुड़ाने में सफलता प्राप्त किया है। बंधक मजदूरों को थाना चेद्वापली

पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष की सूचना पर हुई कार्रवाई

(तेलंगाना) पुलिस द्वारा छत्तीसगढ़ भेजने की व्यवस्था किया गया। मजदूरों ने 15 जनवरी को अपने ग्राम चंडी पहुंचने के पश्चात डॉ. सनम जांगडेज के साथ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल से मुलाकात कर बलौदाबाजार पुलिस का सहयोग के लिए आभार किया।

तेलंगाना से वापस लौटे श्रमिकों इंद्राणी कर्मुँ उसके पात्र गोजेश कर्मुँ, खेलनपुरी गोस्वामी व उनकी पत्नी दुर्गा श्रीरो ने बताया



स्थान पर रुप इंटर भट्टा में काम पर ले जाने हेतु नवम्बर 2024 में श्रमिकों को 14500 एडवांस प्रदान किया।

उनके तीनों बच्चों के साथ प्राम चेद्वापली पहुंचे। जहाँ इंटर भट्टा मालिक उदय व उसके भाई किरण से मिलकर काम पर लग गये। एक साथ तक सब ठीक चलता रहा। बाद में दोनों भाईयों

एवं उनके कर्मचारियों ने श्रमिकों का मोबाइल छीन लिया और बंधक बनाकर बानकर पर ग्राम चंडी निवासी द्वारिका वर्मा से सम्पर्क किया। जिन्हें घर वापस लौटने के लिए 30000 रुपये द्वारिका ने फैन पें के माध्यम से दिया। जब मजदूर इंटर भट्टा से लौटने का प्रयास कर रहे थे तो भट्टा

मालिक के कर्मचारियों ने रुपये छीनकर उनकी पिटाई किया गया। जिसके पश्चात राजेश कर्मुँ ने पूछः फैन पर द्वारिका को पूरी बतावता। इस पूरे मामले की जानकारी द्वारिका ने पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. सनम जांगडेज को दिया। जिन्होंने इसकी गम्भीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल को मजदूरों के साथ रहे रहे आमानवीय यातना से अवगत कराया। पूरी जानकारी लेकर पुलिस अधीक्षक द्वारा चेद्वापली क्षेत्र के पुलिस अधीक्षक से सम्पर्क कर उससे सहयोग मांगने पर चेद्वापली पुलिस ने इंटर भट्टा पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल को मजदूरों के साथ रहे रहे आमानवीय यातना से अवगत कराया।

जिन्होंने अधीक्षक विजय अग्रवाल को मजदूरों के साथ रहे रहे आमानवीय यातना से अवगत कराया।

हल्दी-कुमकुम का जीवन से गहरा हाइवा की चपेट में आने से स्कूटी संबंध : ब्रह्माकुमारी पुष्पा दीदी सवार दो अधेड़ की हालत गंभीर

नवापारा (राजिम), 16 जनवरी (देशबन्धु)।



खुशाहाल महिला खुशाहाल परिवार विषय को लेकर कार्यशाला का आयोजन किया गया। सेवाकेंद्र की संचालिका ब्रह्माकुमारी पुष्पा

खुशाहाल महिला खुशाहाल परिवार विषय पर महिलाओं ने रखे अपने विचार

ब्रह्माकुमारीजी की त्रिमुर्ति भवन में हल्दी कुमकुम की सांघी महक के साथ संकान्ति पर्व आयोजित

खुशाहाल परिवार विषय को लेकर कार्यशाला का आयोजन किया गया। सेवाकेंद्र की संचालिका

खुशाहाल महिला खुशाहाल

परिवार विषय को लेकर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

दीदी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम के मुख्यातिथि शास्त्री स. हरि हरि उच्चतर र माध्यविद्यालय की प्राचार्यां परखारा खाना दानी रही वहाँ वही खुशाहाल परिवार विषय पर कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए ब्रह्माकुमारी पुष्पा दीदी उक्त बातों की अधिकता देती है।

खुशाहाल महिला खुशाहाल परिवार विषय को लेकर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

दीदी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम के मुख्यातिथि शास्त्री स. हरि हरि उच्चतर र माध्यविद्यालय की प्राचार्यां परखारा खाना दानी रही वहाँ वही खुशाहाल परिवार विषय पर कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए ब्रह्माकुमारी पुष्पा दीदी उक्त बातों की अधिकता देती है।

दीदी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम के मुख्यातिथि शास्त्री स. हरि हरि उच्चतर र माध्यविद्यालय की प्राचार्यां परखारा खाना दानी रही वहाँ वही खुशाहाल परिवार विषय पर कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए ब्रह्माकुमारी पुष्पा दीदी उक्त बातों की अधिकता देती है।

दीदी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम के मुख्यातिथि शास्त्री स. हरि हरि उच्चतर र माध्यविद्यालय की प्राचार्यां परखारा खाना दानी रही वहाँ वही खुशाहाल परिवार विषय पर कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए ब्रह्माकुमारी पुष्पा दीदी उक्त बातों की अधिकता देती है।

दीदी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम के मुख्यातिथि शास्त्री स. हरि हरि उच्चतर र माध्यविद्यालय की प्राचार्यां परखारा खाना दानी रही वहाँ वही खुशाहाल परिवार विषय पर कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए ब्रह्माकुमारी पुष्पा दीदी उक्त बातों की अधिकता देती है।

दीदी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम के मुख्यातिथि शास्त्री स. हरि हरि उच्चतर र माध्यविद्यालय की प्राचार्यां परखारा खाना दानी रही वहाँ वही खुशाहाल परिवार विषय पर कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए ब्रह्माकुमारी पुष्पा दीदी उक्त बातों की अधिकता देती है।

दीदी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम के मुख्यातिथि शास्त्री स. हरि हरि उच्चतर र माध्यविद्यालय की प्राचार्यां परखारा खाना दानी रही वहाँ वही खुशाहाल परिवार विषय पर कार्यशाला की अध्यक्षता करते ह

बड़े ही उत्तराह के साथ मनाया गया उपाध्यक्ष भाजपा शिवरतन शर्मा का जन्मदिन

भाटापारा, 16 जनवरी (देशबन्धु)। क्या आमीर क्या गोरीब शिवरतन शर्मा सबके करीब यह दूर्यो आज प्रत्यक्ष तौर पर शिवरतन शर्मा के जन्मदिवस पर देखने की मिला। सुबह से ही उनके निवास पर उन्हें बधाई देने के लिए उनके चाहने वाले समाज के सभी वर्गों के शुभचिंतकों, समर्थकों और कार्यकर्ताओं, अधिकारी कर्मचारियों का तांत्र लगा रहा। प्रेस भर्त से पहुंचे हजारों लोगों ने उनसे प्रत्यक्ष रूप से भेट कर जन्मदिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर शिवरतन शर्मा के दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की इस अवसर पर भाजपाइयों ने अपने नेता के जन्मदिन को यादागार बनाने कोई कर्सर नहीं छोड़। सुबह 11 बजे घर से निकलकर बीजेपी कार्यालय पहुंचे पर महिला मोर्चा द्वारा उन्हें तिलक लगा कर अभिनंदन देते हुए शुभकामनाएं दी गई।

इस दौरान उपाध्यक्ष शिवरतन शर्मा को बधाई देने भाटापारा शहर ही नहीं छत्तीसगढ़ के दूर दूर जगाँव से उनके समर्थक उन्हें बधाई देने पहुंचे हैं थे। और ढोल नंगाड़ और आतिश बाजौर के साथ उनके दीर्घायु की कामनाना करते हुए उनका स्वागत किया फिर शिवरतन शर्मा ने समर्थकों के साथ कार्यालय सहित विभिन्न स्थानों पर केक



भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष शिवरतन शर्मा को जन्म दिन की बधाई देने वालों का सुबह से लगा रहा ताता

काटकर अपना जन्मदिन मनाया।

रॉयल इन हाटल के पास बीजेपी प्रदेश उपाध्यक्ष को फलों से तौला गया जिसके पश्चात, बड़े हुमान मंदिर, कोर्ट परिसर में अधिवक्ताओं द्वारा, तरेंगा सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल में भाजयुगे जिलाउपाध्यक्ष द्वारा आयोजित कार्यक्रम, ग्राम रोहरा में कौशलपुर मंडल द्वारा, नांदघाट माँ सर्वे श्री द्वारा, क्रांक संघ द्वारा गोविंद चौक, नारायण हाइट्स कालोनी, आजाद चौक रहवासियों

में जन्मदिवस मना कर सिमगा के लिये रवाना हुये व देर शाम भाजयुगो जिलाउपाध्यक्ष द्वारा श्याम हॉटल चौक, शर्कि वार्ड धूमधारी वार्ड कार्यकर्ताओं द्वारा महाकाल मंदिर चौक, नारायण वार्ड कार्यकर्ताओं द्वारा कृष्ण नगर चौक, यादव समाज द्वारा पलटन हॉटल पास, रामसामाह चौक पास गामान्यजनों द्वारा, क्रांक संघ द्वारा गोविंद चौक, नारायण हाइट्स कालोनी, आजाद चौक रहवासियों

द्वारा, मिल एसोसिएसन द्वारा पोहो भवन, के साथ पूर्व विधायक प्रतिनिधि द्वारा भाजपा कार्यालय में देर रात तक जन्मदिवस मनाया गया वही भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष शिवरतन शर्मा के जन्म दिन के अवसर पर सिमगा नावागांव में सास्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन रखा गया। इस अवसर पर शिवरतन शर्मा ने कहा की 16 जनवरी को जन्मदिवस पर आशीर्वाद, बधाई, शुभकामनाएं देने के लिए आप सभी स्वेहीजनों के प्रति हृदय की गहराईयों से मेरा आभार।

प्रेश भर्त से पहुंचे विभिन्न समाजों, वर्गों, जरजीनितक दलों, समाज सेवी संगठनों, कार्यकारी संगठनों, गणपान्य नागरिकों सहित संदेव मेरे साथ रहने वाले भाजपा के मेरे सहयोगी कार्यकर्ता साथियों ने भेट कर अपना स्वेह प्रकट किया और बधाई दी।

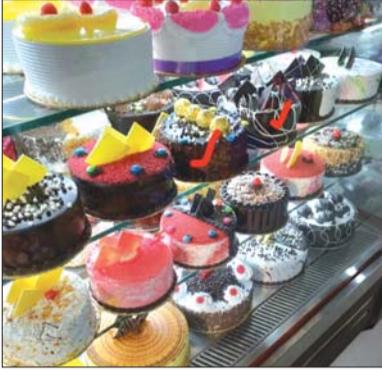
इमेल, टेक्स्ट मैसेज, टिवटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम के माध्यम से लाखों साथियों का बधाई शुभकामना संदेश शुभ्र आहा है।

आप सभी के अनन्त, द्वेषपूर्व बधाई एवं सभी के अनन्त, द्वेषपूर्व बधाई एवं सभी के अनन्त, द्वेषपूर्व बधाई एवं चौकी जारी होगी। जो मुझे जीवन में उत्साह का संचार एवं बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित करती है। आप सभी की निरन्तर सेवा, सेवा विकास के कार्यों में आपका शिवरतन शर्मा सदैव उपरिथत है।

खाद्य एवं पेय पदार्थ बेचने वाले ध्यान दें अलग रखना होगा एक सपायरी प्रोडक्ट

बलौदाबाजार-

भाटापारा, 16 जनवरी (देशबन्धु)। खाद्य एवं पेय पदार्थ बेचने वाले ध्यान दें - एक सपायरी हो चुकी सामग्री के लिए अलग से जगह बनानी होगी। तथा की गई जगह पर इस आशय की सूचना पट्टिका भी लगाना होगा। भंडारण और काठंडर पर यह समान रूप से प्रभावित होगा।



सतर्कता यहां बेहद जरूरी के बिना संस्थानों को विशेष ध्यान रखना होगा क्योंकि संवर्धित सभी सामग्रियों की सेलफ लाइफ महज सात दिन की होती है। खास तौर पर केक सबसे ज्यादा संवर्धनशील होता है क्योंकि इसकी उम्र सीमा महज 24 से 48 घंटे की मारी गई है। इसलिए बेकरी आइटम विक्री ता संस्थानों को अतिरिक्त सतर्कता रखनी होगी। स्वीट कार्नरों को छेने वाली मिट्टाइयों की सेलफ लाइफ 24 घंटे की ही होती है।

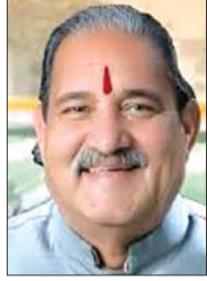
आग्रह उपभोक्ताओं से: खाद्य एवं औषध प्रशासन ने उपभोक्ताओं से आग्रह करते हुए कहा है कि खाद्य एवं पेय पदार्थ की खरीदी करने के पहले सामग्री की पैकिंग में जरूरी जानकारी पर ध्यान दें। विशेष तौर पर एक सपायरी डेट पर नजर रखें। संतुष्ट होने पर ही खरीदी करें। खुले में बेची जारी सामग्री की तानी होती है। अधिकरता संस्थान नियम के पालन को लेकर मार्गीर्ण नहीं है। प्रशासन ने उपभोक्ताओं से भी कहा है कि एक सपायरी डेट देखकर ही खरीदी करें।

तथा करें अलग जगह: खाद्य एवं पेय पदार्थ विक्रीता संस्थानों से प्रशासन ने कहा कि एक सपायरी हो चुकी सामग्री के लिए अलग से जगह बनाएं ताकि वहां वह सामग्री रखी जा सके। भंडारण में भी यह समान रहाएं ताकि वहां वह सामग्री रखी जाए। वहां पर इस आशय की सूचना पट्टिका अनिवार्य रूप से लगाए ताकि विक्रय नहीं किया जा सके। जांच के दौरान यह व्यवस्था नहीं मिली, तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

- उपेश वर्मा, खाद्य सुरक्षा और विकास विभागीय अधिकारी, बलौदा बाजार

प्रदेश में 52 प्रतिशत पिछड़ा होने के बाद भी भाजपा सरकार द्वारा पिछड़े को आरक्षण नहीं दिया जाना, जिपं चुनाव में पिछड़ा को नेतृत्वहीन रखने का घड़यन्त्र

नवापारा राजिम, 16 जनवरी (देशबन्धु)। छ. ग. प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष, पिछड़ा वर्ग के राजनीतिज्ञ धनेन्द्र साहा ने कहा है कि छत्तीसगढ़ के कुल 33 विधायिकों में पंचायत चुनाव के लिए जिला पंचायत अध्यक्ष पद पर पिछड़ा वर्गों के लिए आरक्षण नहीं किया गया है। यह भाजपा की पिछड़ा वर्ग के लिए किया गया थारे निंदनीय कृत्य है।



नवापारा राजिम, 16 जनवरी (देशबन्धु)। उत्तराह के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन के अनुसार नगर पंचायत भट्टांवां एवं पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से सरकार द्वारा बर्तन बैंक की स्थापना की गई है। इस बर्तन बैंक का टिकट द्वारा लगाया जाएगा। बर्तन बैंक के पास विधायिक वर्ग के लिए आरक्षण समाप्त हो जाएगा। वर्तमान आरक्षण रोस्टर में यह जिला पंचायत अध्यक्ष पद पर पिछड़ा वर्गों के लिए आरक्षण नहीं किया गया है। यह भाजपा की पिछड़ा वर्ग के लिए किया गया थारे निंदनीय कृत्य है।

भाजपा सरकार का पिछड़े वर्ग को पंचायती राजा का चुनाव द्वारी आधार पर नहीं हो रहा है जिसके लिए एवं पिछड़े वर्ग को प्राप्ति टिकट देंगे।

जो पिछड़े वर्ग को आरक्षण करना होता है उसे लोग क्या भी भाग मांग कर प्राप्त करेंगे। अभी भी वर्क है भाजपा सरकार द्वारा वर्तमान में किये गये आरक्षण को निरस्त करते हुए पूर्वी सरकार में की गई आरक्षण नीति को ही लागू किया जावे।

काटकर अपना जन्मदिन मनाया।

रॉयल इन हाटल के पास बीजेपी प्रदेश

उपाध्यक्ष के लिए आरक्षण समाप्त हो जाएगा।

उत्तराह के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन के अनुसार नगर पंचायत भट्टांवां एवं पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से सरकार द्वारा बर्तन बैंक की स्थापना की गई है। इसके लिए आरक्षण रोस्टर में यह जिला पंचायत अध्यक्ष पद पर पिछड़ा वर्गों के लिए आरक्षण नहीं किया गया है। यह भाजपा की पिछड़ा वर्ग के लिए किया गया थारे निंदनीय कृत्य है।

भाजपा सरकार का पिछड़े वर्ग को पंचायती राजा का चुनाव द्वारी आधार पर नहीं हो रहा है जिसके लिए एवं पिछड़े वर्ग को प्राप्ति टिकट देंगे।

जो पिछड़े वर्ग को आरक्षण करना होता है उसे लोग क्या भी भाग मांग कर प्राप्त करेंगे। अभी भी वर्क है भाजपा सरकार द्वारा वर्तमान में की गई आरक्षण नीति को ही लागू किया जावे।

भाजपा सरकार का पिछड़े वर्ग को पंचायती राजा का चुनाव द्वारी आधार पर नहीं हो रहा है जिसके लिए एवं पिछड़े वर्ग को प्राप्ति टिकट देंगे।

जो पिछड़े वर्ग को आरक्षण करना होता है उसे लोग क्या भी भाग मांग कर प्राप्त करेंगे। अभी भी वर्क है भाजपा सरकार द्वारा वर्तमान में की गई आरक्षण नीति को ही लागू किया जावे।

भाजपा सरकार का प